विषय-सूची

पैरा	उप-पैरा	विवरण	पृष्ठ सं.
		प्राक्कथन	v
		कार्यकारी सारांश	vii
अध्याय 1: प्रस्तावना			
1.1		पृष्ठभूमि	1
1.2		एफआरबीएम अधिनियम में संशोधन	1
1.3		एफआरबीएम समीक्षा समिति	4
1.4		भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) द्वारा एफआरबीएम अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन की समीक्षा	6
1.5		प्रतिवेदन की संरचना	7
अध्याय 2: अधिनियम तथा नियमावली के निष्पादन में विचलन			
2.1		वार्षिक कटौती लक्ष्यों का अनुपालन न करना	8
2.2		अधिनियम में तदनुरूपी संशोधन के बिना लक्ष्य का आस्थगन	10
2.3		वार्षिक परियोजनाओं पर देयता को प्रकट करने के लिए असंगत फार्मेट	12
		निष्कर्ष	13
अध्याय 3: एफआरबीएम लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रगति			
3.1		राजस्व घाटा	14
	3.1.1	राजस्व घाटा लक्ष्य	14
	3.1.2	वित्तीय वर्ष 2015-16 में राजस्व घाटा	15
	3.1.3	राजस्व घाटे की प्रवृत्ति	15
3.2		राजकोषीय घाटा	16
	3.2.1	राजकोषीय घाटा लक्ष्य	16
	3.2.2	वित्तीय वर्ष 2015-16 में राजकोषीय घाटा	17
	3.2.3	राजकोषीय घाटे की प्रवृत्ति	17
3.3		राजकोषीय घाटा के संघटक के रूप में राजस्व घाटा	18
3.4		प्रभावी राजस्व घाटा	19
	3.4.1	प्रभावी राजस्व घाटा लक्ष्य	19
	3.4.2	वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रभावी राजस्व घाटा	19
	3.4.2.1	पिछले वर्ष के बजट प्रावधान में परिवर्तन	20

	3.4.3	प्रभावी राजस्व घाटे की प्रवृत्ति	21
	3.4.4	प्रभावी राजस्व घाटे के अनुमान में असंगति	22
	3.4.4.1	पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के व्यय प्रावधान में परिकलन चूक	23
	3.4.4.2	पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदानों के अनुमान में कमी	23
	3.4.4.3	पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदानों पर गलत व्यय	24
	3.4.5	पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदानों पर व्यय	25
3.5		सरकार की देयता	26
	3.5.1	देयता लक्ष्य	26
	3.5.2	देयता का कम बताया जाना	28
	3.5.3	ऋण स्थिरता	29
3.6		गारंटियां	32
	3.6.1	गारंटियों का लक्ष्य	33
	3.6.2	गारंटियों में अनुवृद्धि की प्रवृत्ति	33
		निष्कर्ष	34
अध्याय 4: प्राप्ति एवं व्यय के संघटकों का विश्लेषण			
4.1		बृहत-आर्थिक संकेतक	35
4.2		प्राप्ति एवं व्यय और उनके संघटकों का विश्लेषण	36
	4.2.1	प्रमुख राजस्व व्यय की प्रवृत्तियां	38
	4.2.2	भारतीय रिर्जव बैंक से अधिशेष का अंतरण	39
4.3		घाटा संकेतकों की संगणना प्रभावित करने वाले लेन देन	40
	4.3.1	व्यय के गलत वर्गीकरण के कारण राजस्व घाटे का कम बताया जाना	40
	4.3.2	निर्धारित निधियों में उदग्रहण/उपकर का कम अंतरण/अंतरण न होना	41
	4.3.3	सीएफआई में एनएसएसएफ के अंतर्गत हानियों को मान्यता न देना	42
	4.3.4	आर्थिक सहायता पर अदत्त व्यय	44
	4.3.5	राज्यों को निवल आय में से कम अंतरण	45

4.4		अधिप्रापण/अनुरक्षण पर व्यय को पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु प्राप्त अनुदानों पर व्यय के रूप में माना जाना	46
4.5		विशिष्ट प्रयोजन साधन के लिए पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान	48
		निष्कर्ष	50
अध्याय 5: राजकोषीय नीति विवरणियों में प्रक्षेपणों का विश्लेषण			
5.1		मध्यम अवधि राजकोषीय नीति विवरण में प्रक्षेपण	51
	5.1.1	सकल कर राजस्व प्रक्षेपण	51
	5.1.2	कुल बकाया देयता प्रक्षेपण	52
	5.1.3	विनिवेश प्रक्षेपण	52
5.2		मध्यम अवधि व्यय रुपरेखा विवरण में प्रक्षेपण	53
		निष्कर्ष	56
अध्याय 6: राजकोषीय संचालन में पारदर्शिता एवं प्रकटन			
6.1		सरकारी लेखाओं में पारदर्शिता	57
	6.1.1	घाटों के आंकड़ों में विविधता	57
	6.1.2	पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदानों के व्यय में अंतर	59
	6.1.3	देयता की राशि में अंतर	60
6.2		प्रत्यक्ष कर प्राप्ति आंकड़ों में पारदर्शिता की कमी	61
6.3		एफआरबीएम अधिनियम के अन्तर्गत अनिवार्य प्रकटन विवरण में पारदर्शिता	62
	6.3.1	गैर-कर राजस्व के बकाया के प्रकटन में असंगति	63
	6.3.2	बकाया में कोयला उगाही की गलत सूचना	64
	6.3.3	परिसम्पत्तियों के रजिस्टर में विवरणों के प्रकटन में अंतर	64
	6.3.3.1	विदेशी सरकारों को ऋण के आंकड़ों में विसंगति	64
	6.3.3.2	परिसंपत्तियों के अंत एवं अथशेषों के आंकड़ों में अंतर	65
		निष्कर्ष	66
		अनुबंध	67-74
		शब्दावली	75-77